महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा

2012-13

वार्षिक प्रतिवेदन 2012 – 13

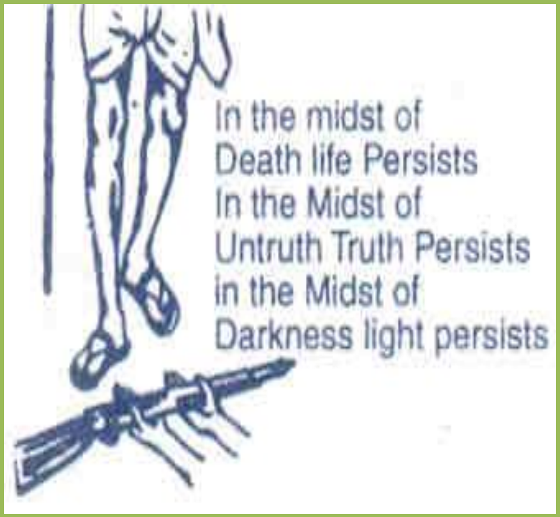

Non Violent Movement to Ensure People s Rights to Livelihood Resource

वार्षिक प्रतिवेदन

2012–13

महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा

आभार

70 के दशक की चम्बल घाटी की ख्याति केवल दस्यु समस्या, भय व हिंसा से ग्रस्त गांव, दम तोड़ती शिक्षा एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बीच पनपते संघर्ष के रूप में थी। इन हालातों से मुक्ति दिलाने तथा सुरक्षित एवं सम्मानपुर्वक जीवन जीने के लिए वातावरण प्रदान करने में सरकारी प्रयास नाकाम व कारगर साबित नहीं हुए तब ऐसी विषम परिस्थितियों से जुझती चम्बल घाटी में महान गांधीवादी प्रेरक एवं चिंतक डॉ. एस.एन. सुब्बराव शांति स्थापना को लेकर विश्वास व आशा की किरण के रूप में अवतरित हुये और उनके गांधीवादी प्रयासों का तत्काल असर होना शुरू हुआ जो ऐतिहासिक बागी आत्मसमर्पण के रूप में आज हमारे सामने है। महात्मा गांधी सेवा आश्रम की स्थापना उस समय की तात्कालिक हिंसाग्रस्त चम्बल घाटी में अमन और चैन स्थापित करने के लिये हुई और बाद में गांधीवादी सिद्वांतों की प्रयोगशाला के माध्यम से दीन-हीन वंचित समुदाय के जीवन में खुशहाली लाने के के लिए अनेकों गतिविधियों की शुरूआत हुई।

अपनी स्थापना के पिछले 4 दशकों में महात्मा गांधी सेवा आश्रम अनेकों उतार-चढ़ाव के बीच अभी भी अपने कार्य और गतिविधियों को समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित किये हुये है। खादी ग्रामोद्योग, बंचित समुदाय के बच्चों विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा, शोषित व वंचित समुदाय के बीच जनजागृति व प्राकृतिक संसाधनों पर वंचितों के अधिकार, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का पुर्ननिर्माण, क्षमता विकास तथा सशक्तिकरण, युवाओं के विकास में सहभागिता के लिये नेतृत्व विकास, महिला सशक्तिकरण, गरीबों की ताकत से गरीबोन्मुखी नियमों के निर्माण की पहल आदि के माध्यम से समाज में शांति स्थापित करने के लिए महात्मा गांधी सेवा आश्रम कृत संकल्पित है। हिंसा मुक्ति से लेकर प्रचलित ढांचागत हिंसा से मुक्ति के पथ प्रदर्शक आश्रम के उपाध्यक्ष श्री राजगोपाल जी ने वंचितों के जीवन जीने के संसाधनों पर अधिकार के दीर्घकालिक लक्ष्य को रखकर कमजोर, पिछड़े, भयग्रस्त वातावरण में जी रहे वंचित समुदाय में नई ऊर्जा का प्रवाह किया है। अब बड़ी संख्या में वंचित समुदाय अन्यायपूर्ण व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट हो रहा है। इसके सार्थक परिणाम जनसत्याग्रह की सफलता के रूप में भी सामने है।

अन्याय, अत्याचार, शोषण व भ्रष्टाचार से मुक्त समानता, सामूहिकता और न्याय पर आधारित नये समाज की रचना के लिये हमारे प्रेरणा स्त्रोत श्रद्धेय भाई जी तथा हमारे पथ प्रदर्शक सम्मानीय राजू भाई के हम आभारी और सदैव ऋणी हैं जिन्होंने हमें वर्तमान समाज व विकास का सही चिंतन कर एक खुशहाल समाज के विकास में

हमारी शक्ति को मोड़ दिया। आश्रम को रचनात्मक दिशा मे उत्साह पूर्वक आगे ले जाने एवं रचनात्मक सहयोग देने के लिए आश्रम के वरिष्ठ सदस्य श्री सत्यभानु चौहान (पूर्व विधायक, श्योपुर), श्री मनीराम गुप्ता (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी), श्री गुलजारीलाल नंदा (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी), श्री महेशदत्त मिश्र (पूर्व विधायक, जौरा), एवं शिक्षाविद् श्री मातादीन के हम कृतज्ञ हैं जिनके सहयोग एवं प्रयासों से आश्रम के कार्यो एवं विचारों को आगे बढ़ाने में कामयाब हुये हैं। आश्रम की इस विकास यात्रा में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में देश एवं विदेश के साथियों के रचनात्मक सहयोग के प्रति आभारी हैं जिनके समर्थन से ही आश्रम की गतिविधियों को विभिन्न रचनात्मक दिशाओं में फैलाने में सफल हुये हैं। अंत में हमारे प्रेरणाश्रोत डॉ. सुब्बराव एवं पथ प्रदर्शक श्री राजगोपाल जी के सपनों के समाज का निर्माण के लिए कृत संकल्पित बने रहने की ईश्वर हमें शक्ति प्रदान करे ऐसी कामना है।

रनसिंह परमार

सचिव, महात्मा गांधी सेवा आश्रम

विषय सूची

पृष्ठभूमि

उद्देश्य

कार्यक्षेत्र

कार्यक्रम

खादी वस्त्र उत्पादन व विपणन

शहद प्रशोधन व विपणन

भूमि व आजीविका का अधिकार

शिक्षा का विकास

मीडिया सेंटर

कार्यक्रमों की सूचियाँ

महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा

पृष्ठभूमि

1950 से 1970 के दशकों में चम्बल घाटी की पहचान सामाजिक ढांचे के रोजमर्रा की जिन्दगी में समाई हुई हिंसा, अशांति, शासन व समाज में व्याप्त अन्याय के विरूद्ध बगावत, असुरक्षा, बीहड़ कटाव, आर्थिक पिछड़ापन के फलस्वरूप दम तोड़ती मानवता के रूप में थी। यही वह समय था, जब वकालत की डिग्री प्राप्त कर श्री एस.एन. सुब्बराव जी (भाई जी) ने अपने पैतृक वकालत के काम को आगे बढ़ाने की बजाय राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारा तथा खुशहाल व अखण्ड भारत के निर्माण के लिये युवाओं के नेतृत्व विकास का संकल्प लिया। अखण्ड व सर्वशक्तिमान भारत के निर्माण में युवाओं को रचनात्मक संस्कारों के साथ जोड़ना एक चुनौतीपूर्णं लक्ष्य था जिसे भाई जी ने राष्ट्रीय सेवा दल, राष्ट्रीय युवा योजना, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केन्द्र आदि राष्ट्रीय युवा संगठनों के माध्यम से लाखों शहरी एवं ग्रामीण युवाओं के प्रशिक्षण व उनकी रचनात्मक सहभागीदारी से राष्ट्र निर्माण के दरवाजे खोल दिये। इसी समय चम्बल घाटी के उत्साही युवाओं का एक दल भाई जी के सम्पर्क में आया और चम्बल घाटी को हिंसा के आगोश से बाहर लाने की प्रार्थना की। उसके बाद (1954) चम्बल घाटी भाई जी का घर बन गया। 1954 से 1970 के बीच भाई जी के नेतृत्व में चम्बल घाटी में कई युवा शिविरों का आयोजन किया गया। चम्बल घाटी के दुर्दांत बागी भाई जी के सम्पर्क में आये और इस प्रकार चम्बल घाटी के ऐतिहासिक बागी आत्म समर्पण की बुनियाद रखी गयी तथा शांति केन्द्र के रूप में महात्मा गांधी सेवा आश्रम की स्थापना की आवश्यकता महसूस हुई। गांधीवाद को जमीन पर उतारने के उद्‌देश्य से मुरैना से 27 कि.मी. दूर पगारा रोड जौरा की कच्ची सड़क पर वर्षो से वीरान पड़े खादी

ग्रामोद्योग बोर्ड के चर्मशोधन केन्द्र पर कॉंग्रेस सेवादल के तत्कालीन राष्ट्रीय निदेशक श्री एस.एन. सुब्बराव जी की नजर पड़ी और उन्होंने 1964 में कॉंग्रेस सेवा दल का दीर्घकालीन युवा श्रम शिविर शुरू किया। इस शिविर में भारत के हर प्रदेश के लगभग 500 युवक-युवती शिविर में भागीदार बने। श्री सुब्बराव जी ने चम्बल घाटी की समस्याओं को नजदीकी से समझा और चम्बल घाटी को हिंसा से मुक्ति दिलाने के बारे में स्थानीय लोगों से विचार-विमर्श किया। युवा शिविर तो 27 दिसम्बर 1964 को समाप्त हो गया, लेकिन चम्बल घाटी में स्थायी शांति के लिए भाई जी के द्वारा महात्मा गांधी सेवा आश्रम की स्थापना शांति का प्रयोगस्थली बन गया। 1969 में महात्मा गांधी जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर पूरे देश में गांधी दर्शन एवं विचार के प्रचार-प्रसार के लिये गांधी दर्शन ट्रेन का आयोजन श्री सुब्बराव जी निर्देशन में किया गया। चार ट्रेन पूरे देश में एक साल तक भ्रमण की। गांधी दर्शन ट्रेन में शामिल युवाओं के द्वारा एकत्र की गयी 19000 रूपये की राशि से महात्मा गांधी सेवा आश्रम का जौरा की शुरूआत हुई।

चम्बल घाटी में दस्यु आतंक से त्रस्त नागरिकों को हिंसा की त्रासदी से मुक्ति दिलाकर शांति स्थापित करने के उद्देश्य से श्री सुब्बराव जी ने महात्मा गांधी सेवा आश्रम की गतिविधियों का संचालन किया। युवा संगठनों का निर्माण, संगठन से युवाओं में रचनात्मक संस्कार पैदा करना, आर्थिक स्वावलम्बन के लिए लघु व कुटीर उद्योगों की स्थापना, कृषि सुधार के लिए भूमि समतलीकरण व वृक्षारोपण की ओर आश्रम ने ध्यान ध्यान केन्द्रित किया। श्रमदान के माध्यम से युवाओं की शक्ति को क्षेत्र के विकास के साथ जोड़ा गया। दस्यु आतंक से त्रस्त बुधारा में फरवरी 1971 में आयोजित युवा शिविर में युवकों ने चम्बल के बीहड़ के समतलीकरण कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इससे चम्बल घाटी के नौजवानों का न केवल रचनात्मक कार्यों में जुड़ने का एक मार्ग प्रशस्त हुआ बल्कि पूरे वातावरण में एक सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रवाह भी हुआ। चम्बल के बीहड़ों में भाई जी के द्वारा आयोजित शिविरों की कार्य पद्वति की ख्याति ने ही चम्बल के बागियों को उनके नजदीक आने का मौका दिया तथा बागियों को हिंसक जीवन पद्धति को छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

दुनिया के इतिहास में 14 अप्रैल 1972 एक ऐतिहासिक दिन बना जब चम्बल घाटी के दुर्दान्त

बागियों ने महात्मा गांधी के चित्र के सामने स्व. श्री जयप्रकाश नारायण तथा श्री एस.एन. सुब्बराव भाई जी की उपस्थिति में महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रांगण में हथियार डाल दिये। इसके बाद देश और दुनिया में महात्मा गांधी सेवा आश्रम तथा जौरा अहिंसक प्रयोग के लिये विख्यात हुआ।

अपनी स्थापना से लेकर आज तक महात्मा गांधी सेवा आश्रम गांधी के ग्राम स्वावलम्बल और ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना को धरातल पर उतार कर हिंसा-भय-भूख मुक्त समाज की रचना के निरंतर प्रयासरत है। आश्रम द्वारा खादी ग्रामोद्योग, कृषि तथा भूमि सुधार, शुद्ध पीने के पानी का अधिकार, शिक्षा, महिला अधिकार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रचना, युवा नेतृत्व विकास, संगठन निर्माण, सहभागीदारी कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों विशेषकर मध्यप्रदेश व चम्बल घाटी में समाज के शोषित, पीडित व वंचित समुदाय के बीच काम कर रहा है, प्रस्तुत रिपोर्ट महात्मा गांधी सेवा आश्रम की गतिविधियों पर आधारित है।

उद्देश्य

महात्मा गांधी सेवा आश्रम का प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार है-

- ग्रामीण युवाओं तथा महिलाओ के सशक्तिकरण व आजीविका के लिए लघु व कुटीर इकाईयों का निर्माण व संचालन करना।
- दलित, आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग को मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उनका क्षमता विकास करना ताकि वे अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकें।
- जन और तंत्र के बीच समन्वयन स्थापित कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सूचना एवं जानकारियों का आदान प्रदान करना।
- विशेष रूप से महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने व बराबर की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनकी क्षमता का विकास करना।
- प्राकृतिक संसाधनों का दीर्घकालिक उपयोग सुनिश्चित करते हुए ग्रामीण, वनवासियों तथा आदिवासियों की आजीविका संवर्धन एवं अधिकार की रक्षा के लिए प्रयास करना।
- ग्रामीण और गरीब परिवारों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना।

❖ सत्ता विकेन्द्रीकरण के चल रहे प्रयासों में समाज के वंचित, आदिवासी, दलित व महिलाओं की भागीदारी व नेतृत्व बढानें के लिए अनुकूल वातावरण बनाना।

कार्यक्षेत्र व लक्ष्य समूह

महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा के कार्य, गतिविधियॉं व उनका प्रभाव मुरैना जिले के जौरा से प्रारंभ होकर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों सहित राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक है। देश के कई राज्यों जैसेः आसाम, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तरप्रदेश व महाराष्ट्र तथा सघन रूप से मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में समाज परिवर्तन के लिए कार्य कर रहा है।

आश्रम की गतिविधियों व कार्यो का लक्षित समूह आदिमजन जाति, दलित, किसान, मजदूर व महिलायें हैं। आदिम जनजातियों में सहरिया, भील, कोल, गौंड, बैगा, उरावं, धनवार, पाण्डो, बिरहोर, संथाल इत्यादि शामिल हैं।

विभिन्न राज्यों में आश्रम का कार्य

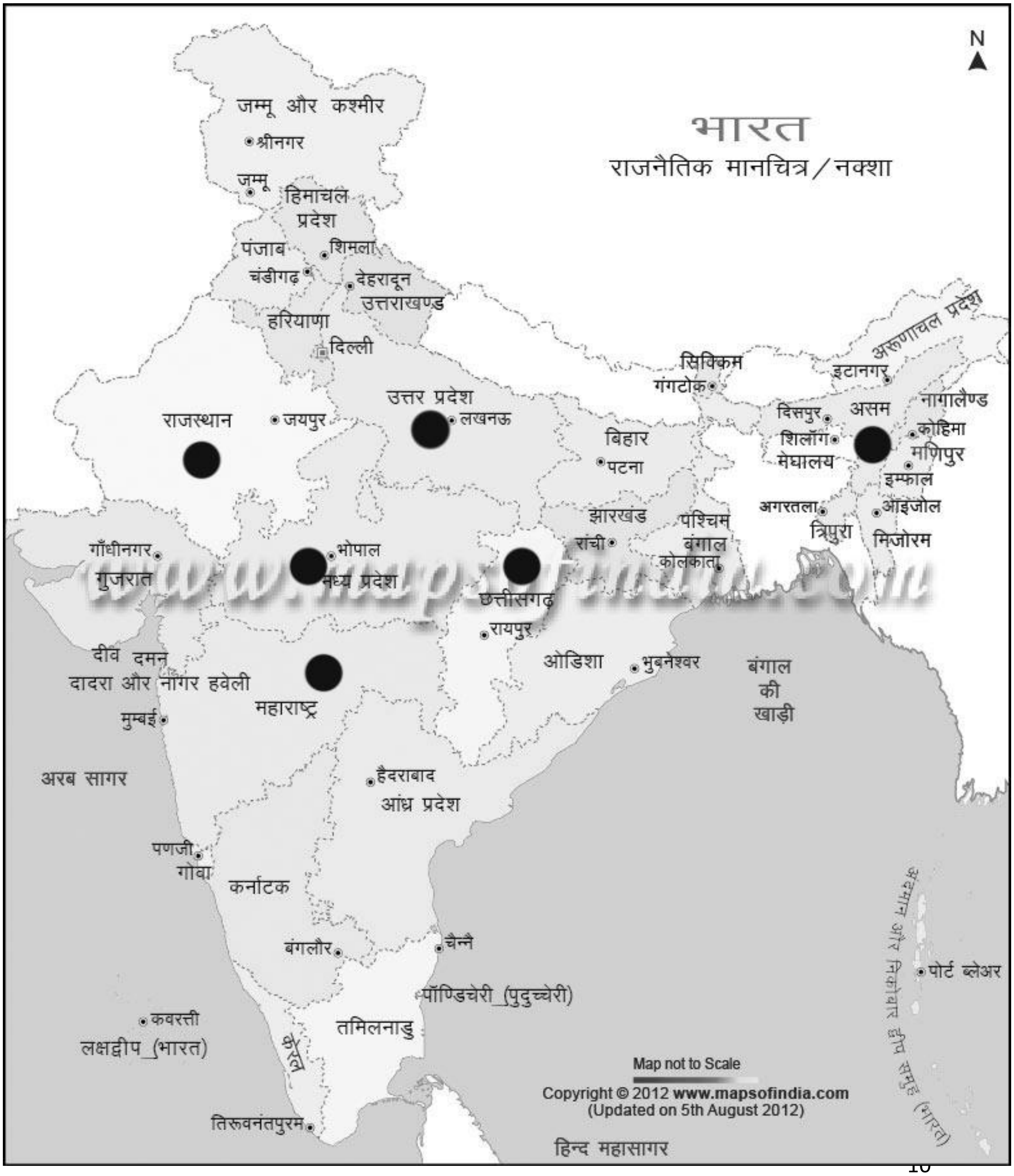

प्रमुख गतिविधियों की उपलब्धियों का सारांश

खादी वस्त्र उत्पादन व विपणन

'तकली और चरखे से सूत कातना, सूत से ताना व बाना बुनना और उससे वस्त्र का निर्माण करना' इस प्रक्रिया ने देश में आजादी के आंदोलन का स्वावलम्बी बनाया। यही कारण भी था कि महात्मा गांधी ने खादी उत्पादन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना था। भारत जैसे जनसंख्या बाहुल्य वाले देश में इसकी भूमिका ओर भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिससे लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। प्रारंभ में इसी भावना के साथ देश में खादी आंदोलन की शुरूआत की गयी थी। महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा के द्वारा बेरोजगार युवकों व गरीब महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा गांधी के विचारों के प्रचार व प्रसार के लिए खादी ग्रामोद्योग की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती है।

जिसमें खादी वस्त्र उत्पादन, विपणन के लिए केन्द्र और खादी ग्रामोद्योग के प्रोत्साहन के लिए विशेष बिक्री प्रदर्शनी का आयोजन शामिल है। खादी ग्रामोद्योग से जुड़े गतिविधियों को निम्न सारणी से समझा जा सकता है।

सारणी क्रमांक 1- खादी उत्पादन की उपलब्धियां रूपये में

विवरण व वर्ष	2010-2011	2011-2012	2012-2013
सूती	1753380.57	1951225.95	1985630.00
उनी	355300.85	209246.82	524435.00
पोलीवस्त्र	974628.23	971456.51	923630.00
कुल	3083309.65	3131929.28	3433695.00

प्रमुख बिंदुः

- खादी का कुल उत्पादन 34,33,696.00 रूपये (सूती रू.1985630.00, उनी रू. 524435.00, पोली वस्त्र रू.923695.00) हुई।
- ***इस वर्ष हर्बल चाय और हर्बल एलोवेरा क्रीम का उत्पादन और विपणन*** किया गया। हर्बल चाय का कुल उत्पादन रू. 30 हजार और बिक्री रू.19 हजार की हुई तथा हर्बल एलोबेरा क्रीम का उत्पादन रू. 11428 तथा बिक्री रू. 6075 की हुई।

सारणी क्रमांक 2- खादी उत्पादन की बिक्री रूपये में

विवरण/ वर्ष	2010-2011	2011-2012	2012-2013
सूती	1414015.00	1772959.00	1920830.00
उनी	454910.00	831257.75	588768.00
रेशम	153465.00	247768.00	539397.00
पोली	776943.25	1093625.50	795990.00
ग्रामोद्योग	98043.00	133946.00	405034.00
कुल	2897376.25	4079556.25	4250019.00

प्रमुख बिंदुः

- इस वर्ष खादी की कुल बिक्री रूपये 4250019.00 (सूती रू.1920830.00, उनी रू. 588768.00, रेशम वस्त्र रू.539397.00, पोली रू. 785880.00 तथा ग्रामोद्योग की बिक्री रू. 405034) की हुई। जो गत वर्ष की तुलना में 170462 रूपये अधिक है।
- ग्वालियर में आयोजित खादीग्रामोद्योग प्रदर्शनी के दौरान रू. 890586.00 की बिक्री तथा ग्वालियर मेला के दौरान रू. 175000.00 की हुई।

शहद प्रशोधन व बिक्री

स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित लघु व कुटीर उपक्रम स्थापित कर उनके सफल संचालन से हजारों बेरोजगार युवकों को स्वावलम्बी बनाया जा सकता है। चंबल घाटी में शहद प्रचुर मात्रा में वनों में पाया जाता है और इस क्षेत्र में होने वाली सरसों की फसल से शहद उत्पादन की विशाल संभावना है। इस संभावना का विस्तार महात्मा गांधी सेवा आश्रम के द्वारा शहद प्रशोधन व विपणन केन्द्र के द्वारा किया जा रहा है। इससे क्षेत्र में 200 परिवारों को स्वरोजगार प्राप्त हुआ है। इस केन्द्र के द्वारा मधुमक्खी पालन, शहद निकालना व प्रशिक्षण देना और उसे प्रशोधन कर बिक्री की जाती है।

प्रमुख बिंदुः

❖ इस वर्ष रू. 853486.00 का शहद बिक्री हुई और रू. 19623 की मधुमक्खी पालन के उपकरण और रू. 50000.00 की मोम की बिक्री हुई।

भूमि व आजीविका का अधिकार

'जीवन जीने के प्राकृतिक संसाधनों- जल, जंगल और जमीन' पर समाज के वंचित समुदाय के अधिकार को पुर्नस्थापित करने और इसके समानता व न्यायपूर्ण बंटवारे को सुनिश्चित कराना देश में गरीबी उन्मूलन के लिए जरूरी है। समाज की बहुत सारी विषमाओं के पीछे प्राकृतिक संसाधनों का असामन वितरण और वंचित समुदाय का अधिकार का अभाव है। महात्मा गांधी सेवा आश्रम का विश्वास है कि वंचितों का भूमि पर अधिकार हासिल करना, और उसका विकास कर आजीविका के साथ जोड़ना वंचित समुदाय के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए महात्मा गांधी सेवा आश्रम भूमि व आजीविका के अधिकार पर विगत तीन दशकों से काम कर रहा है। वर्तमान में इस कार्य का फैलाव उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, आसाम, उड़ीसा और महाराष्ट्र तक है। इस कार्य को अलग-अलग दानदाता वित्तिय संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है जिसके बारे में संक्षिप्त व महत्वपूर्ण बिंदु इस प्रकार हैं-

- **वंचित समुदाय के गरिमापूर्ण जीवन निर्वाह के लिए उनके भूमि अधिकार को सुरक्षित करना और संस्थागत करना**

इस परियोजना का कार्यक्षेत्र उत्तरप्रदेश का झांसी, मध्यप्रदेश का अशोकनगर, छत्तीसगढ़ का कोरबा, उडीसा का सुंदरगढ़ और आसाम का गुवाहाटी के 600 गावं हैं। जहां पर वंचितों के भूमि अधिकार के लिए लोगों को प्रेरित कर उनके समुदाय का संगठन निर्माण और अधिकारों के लिए दावा करने के लिए प्रेरित किया गया।

- ....राज्यों के .... जिलों के ...... 592 गावों में समुदाय आधारित संगठन का निर्माण, 5276 कुन्तल अनाज कोष और 14068 रूपये के ग्राम कोष की स्थापना और संचालन किया गया।
- 2400 समुदायिक नेतृत्वकर्ताओं (महिला-पुरूषों) को प्रशिक्षित कर समाज के नेतृत्व के लिए मजबूत किया गया।

- भूमि अधिकार के मुद्दे पर 29600 परिवार जागरूक होकर अपने भूमि अधिकार के दावे को पंजीकृत कराये। इस पंजीकरण के लिए आयोजित सम्मेलन में 20 हजार परिवारों ने भाग लिया।
- पदयात्रा, सम्मेलन और रैलियों के माध्यम से 5 लाख भूमिहीनों को प्रेरित किया गया।
- वंचित समुदाय के 40 हजार परिवारों के साथ सरकारी और गैर सरकारी नेताओं और निर्णयकर्ताओं स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर पदयात्रा, रैली और सम्मेलन के माध्यम से जोड़ा गया।
- भूमि अधिकार पर कार्य करने के लिए 500 सामाजिक संगठनों और सामुदायिक संगठनों का गठबंधन किया गया।
- भूमि अधिकार से जुडे संबद्व विभागों में 5000 वंचित समुदाय के लोगों ने अपना दावा दाखिल किया और 5000 मामले प्रस्तुत किये गये।
- कार्यक्षेत्र में भूमि अधिकार, सीमांकन और कब्जे को लेकर 2276 मामले दर्ज कराये गये।
- पदयात्रा और रैलियों में 8792 परिवार शामिल हुए और परंपरागत पंचायतों में 9867 लोग शामिल हुए।
- छत्तीसगढ़ में वनअधिकार के 230 हितग्राहियों को धान का बीच सरकार से प्राप्त हुआ और गांधी कुटीर बनाने के लिए बिंझरा गावं में विधायक निधि से 3 लाख 50 हजार रूपये प्राप्त हुए।

• राजस्थान राज्य में वंचित समुदाय के अधिकार व स्वामित्व को सुरक्षित और संस्थागत करना

इस परियोजना का कार्यक्षेत्र राजस्थान राज्य का बारां, कोटा, सवाईमाधोपुर और धौलपुर जिला है। इसके लक्ष्य समूह में सहरिया आदिवासियों सहित दलित वर्ग है। इसके अंतर्गत 33 पंचायतों के 183 गावों में 16484 परिवारों के बीच कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भूमि व आजीविका के अधिकार के माध्यम से वंचित समुदाय के खाद्यय सुरक्षा है। इसके लिए समुदाय को जागरूक करना, संगठन निर्माण, नेतृत्व विकास और सरकारी योजनाओं व कानूनों के कार्यान्वयन के लिए सहजीकरण करना है।

- ❖ जिला स्तर पर 7 भूमि सम्मेलन में 118 गावों के 1546 लोगों ने भाग लिया और इसीके समान तहसील व क्षेत्रीय स्तर पर परपंरागत पंचायतों में 2243 लोगों ने भाग लेकर भूमि अधिकार की प्राप्ति के लिए रणनीति तय किये और अपने दावे को दाखिल किया।

- ❖ क्षेत्रीय स्तर पर 9 जनसुनवाई आयोजित की गयी जिसमें 1041 लोग 179 गावं से तथा स्थानीय स्तर पर आयोजित 7 जनसुनवाई में 884 लोग 72 गावं से सम्मिलित हुए। इस दौरान 5 बार जिला कलेक्टर और अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देकर वंचित समुदाय के लोगों ने अपने दावे को मजबूती के साथ प्रस्तुत किया।
- ❖ विश्व श्रमिक दिवस, गांधी जयंती, अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस तथा बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के जन्म दिवस पर सम्मेलन और प्रदर्शन आयोजित किया गया।
- ❖ 23 गावं के 58 लोगों को 81800 रू. का पेंशन प्राप्त हुआ और 25 गावं के 1325 परिवारों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून के अंतर्गत 52,20,476 रूपये का रोजगार प्राप्त हुआ।
- ❖ 8 गावों के 229 आदिवासी परिवारों ने भूमि हडपने की शिकायत की जिस पर जिला प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए 17 गावं के 111 आदिवासियों की लगभग 800 बीघा जमीन वापस हुई जिसकी कीमत लगभग 8 करोड़ रूपये है।
- ❖ 23 गावं के 185 भूमिहीन परिवारों ने भूमि आबंटन के लिए अपना दावा दाखिल किया।
- ❖ 125 गावं में भूमि सुरक्षा समिति का गठन किया गया जिसका नेतृत्व 200 महिला पुरूष कर रहे हैं।
- ❖ परियोजना कार्यक्षेत्र से 498 सत्याग्रही जनसत्याग्रह आंदोलन में भागीदार बने।
- ❖ 46 गावं की ओर से जनसत्याग्रह के लिए 47.89 कुन्तल गेहूँ दान दिया गया।

- **वंचित समुदाय के भूमि व आजीविका के छिनते संसाधनों को संरक्षित करने व रोजगार के अवसर वढ़ाने के लिये कार्यक्रम**

सी.ए. परियोजना जो कि ग्वालियर चम्बल संभाग के ग्वालियर, मुरैना, दतिया, शिवपुरी तथा मालवा संभाग, विदिशा व सागर जिले में कार्य करता है। परियोजना का उद्देश्य वंचित समुदाय में जागृति लाने के साथ-साथ उनके हक और अधिकार के प्रति उनको आगे बढ़ाना है। इस परियोजना में 395 कार्यकर्ता 30415 आदिवासी परिवारों के साथ कार्य कर रहे हैं इसकी उपलब्धियाँ इस प्रकार है-

- सी.ए. परियोजना के अंतर्गत आदिवासी परिवारों ने वनाधिकार के लिए जुलाई 12 तक 3416 ों दावा दाखिल किये थे जिसमें से 716 परिवारों को वनाधिकार पत्र प्राप्त हुए।
- सामुदायिक वनाधिकार के लिए जुलाई 2012 से सितम्बर 2012 तक तक 06 गांवों ने दावा दाखिल किया था जिसमें से 02 को वनाधिकार प्राप्त हुए।
- राजस्व कानून के अंतर्गत भूमि के सीमांकन तथा कब्जे के लिए जुलाई 2012 से सितम्बर 2012 तक 1734 आवेदन दिये गये जिसमें से 848 पर कार्यवाही हुई।

- ❖ परियोजना के अंतर्गत ग्वालियर चम्बल संभाग के 26 गांवों से भूमि नामांतरण के लिए 894 लोगों ने आवेदन किया। भौतिक कब्जा दिलाने के लिए 2372 आवेदन किये गये। जिसमें 5408 लोगों के पास पट्टा है कब्जा नहीं तथा कुल दिये गये आवेदनों में से 1068 पर कोई कार्यवाही नहीं हई है।
- ❖ परियोजना के अंतर्गत संगठन द्वारा विभिन्न पंचायतें जैसे परम्परागत पंचायतें, मुखिया बैठकें, सम्मेलन, वनाधिकार सम्मेलन, दलित एवं आदिवासी समाज पंचायत, मुखिया सम्मेलन रैली, धरना, प्रदर्शन आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- ❖ संगठन के लक्षित गांवों में से 206 गांवों में अनाज कोष है, 184 गांवों में ग्रामकोष है जिसमें कुछ इकाईयों के पास धन है तथा कुछ इकाईयों ने अपना धन बैंक में एकाउण्ट खुलवाकर डाला है।
- ❖ परियोजना कार्यक्षेत्र से 2498 सत्याग्रही जनसत्याग्रह आंदोलन में भागीदार बने।

● मध्यप्रदेश के बंचित समुदाय के भूमि व आजीविका के अवसरों को वढ़ाने व संरक्षित करने के लिये कार्यक्रम

इस परियोजना का कार्यक्षेत्र श्योपूर, सागर, रायसेन व झाबुआ जिला है। परियोजना इन जिलों की 8 तहसील के 388 गॉव में कार्य का रही है। परियोजना का लक्ष्य समूह दलित व आदिवासी परिवार हैं। परियोजना के अंर्तगत 249 पंचायतों के 74911 परिवारों के साथ कार्य किया जा रहा हैं । पूअरेस्ट एरिया सिविल सोसायटी कार्यक्रम एक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है जिसका उद्वेश्य भारत में सामाजिक रूप से वहिष्कृत समूहों और सामान्य जनता के बीच खुशहाली की स्थिति के अंतर को कम करना है।

परियोजना के माध्यम से हम परिणामों की बात करते हैं, जो इस प्रकार हैं :-

❖ महिलाओं और सामाजिक रूप से वहिष्कृत समुदायों के मुद्वों को लक्षित क्षेत्रों में प्राथमिकता देना और उठाना।

❖ महिला और सामाजिक रूप से वहिष्कृत समुदायों का बेहतर प्रतिनिधित्व हो और गांव/जिला/राज्य स्तर पर समितियों में उनकी आवाज बुलंद हो।

❖ सेवा प्रदाताओं को महिलाओं और सामाजिक रूप से वहिष्कृत समुदायों के प्रति अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जबावदेह बनाना है।

संक्षिप्त जानकारी

❖ परियोजना क्षेत्र के 4 जिलों के 249 पंचायत के 388 गॉव में परिणामों को प्राप्त करने के लिये 388 समुदाय आधारित समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में सामाजिक रुप से बहिष्कृत समुदायों के 6308 महिला पुरुषों की भागीदारी है।

❖ 388 समितियों के सदस्य केसे कार्य करेंगें इसके लिये गॉव स्तर पर क्षमता वृद्धि के कार्य किये गये हैं जिसके परिणाम स्वरुप 1600 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

❖ समिति के सदस्यो के माध्यम से श्योपुर,कराहल,विजयपुर,बीना,माल्थोन,खुरइ ,सिलवानी व रामा ब्लॉक से वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत पात्र हितग्राहियों के 2304 व राजस्व भूमि के (पट्टा हे कब्जा नहीं, कब्जा हे पट्टा नहीं) व सीमांकन से जुड़े 1257 प्रकरणों को सग्रहित कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रशाशन को दिया गया है।

❖ इसी प्रकार सभी 388 गॉवों में स्थानीय स्तर पर अनाज बैंक बनाई गई हें जिनमें अभी तक लगभग 277 किवंटल अनाज जमा हो चुका हैं, जिसका उपयोग जनसत्याग्रह यात्रा में लक्ष्य समूह के द्वारा किया गया।

❖ महिलाओं और सामाजिक रुप से बहिष्कृत समुदायों के मुद्दों को लक्षित क्षेत्रों में प्राथमिकता देने और उठाने के लिये सागर,रायसेन व श्योपुर जिले में जिला स्तर पर 3 भूमि अधिकार संघर्ष समितिया बनाई गई हें जो कि अपने जिले के भेदभाव

पूर्ण मुद्दों , भूमि के मुद्दों व प्रशाशन या पुलिस द्वारा उत्पीड़न के मुद्दों पर पैरवी का कार्य करती हैं।

- पदयात्रा के माध्यम से रायसेन जिले के सिलवानी ब्लॉक के 2000 एकड़ व श्योपुर जिले के ब्लॉक विजयपुर के 4000 एकड़ जमीन के मुद्दे निकल कर आये हैं जिन पर पैरवी जारी है।

- समग्र भूमि सुधार कानून लाने के लिये ग्राम ब्लॉक व जिला स्तर पर दीवार लेखन व पोस्टर लगाये गये हैं जो कि मीडिया,राजनेताओं व समाज में कार्य करने वाली संस्थाओं को मुद्दे के प्रति संवेदनशील बना रहे है। भूमि व आजीविका के मुद्दों पर स्थानीय पंचायत के सदस्यों, पंच व सरपंच आदि को संवाद व समितियों की बैठक के माध्यम से जागरुक किया गया है। 8 ब्लॉक से लगभग 250 स्थानीय पंचायत के सदस्यों को अभी तक जोड़ा जा चुका है।

- परियोजना कार्यक्षेत्र से 2600 सत्याग्रही जनसत्याग्रह आंदोलन में भागीदार बने।

• *शुद्व पेयजल, स्वच्छता व साफ सफाई का अधिकार*

मानव जीवन के लिए स्वच्छ पेयजल बहुत ही अनिवार्य आवश्यक्ता है, इसके अभाव में स्वस्थ समाज की परिकल्पना अधूरी है। मानव को प्रभावित करने वाली विभिन्न प्रकार के रोगों का 80 प्रतिशत जल जनित रोग होते हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए पर्यावरण स्वच्छता, वातावरण की स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता बहुत ही जरूरी है। शुद्व पेयजल की उपलब्धता में बहुत बड़ी बाधा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खुले में शौच करने की परंपरा भी है। शुद्व पेयजल, स्वच्छता व साफ सफाई के लिए सरकार द्वारा निर्मल भारत अभियान व मर्यादा अभियान चलाये गये हैं, किंतु जागरूकता का अभाव और योजनाओं का सही क्रियान्वयन न होने के कारणा समाज के वंचित समुदाय इन अभियानों के फायदे से वंचित हैं। जीवन जीने के संवैधानिक अधिकार के लिए जरूरी है कि सभी लोगों को शुद्व पेयजल की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित हो। महात्मा गांधी सेवा आश्रम मध्यप्रदेश में लोगों विशेषकर वंचित समुदाय जैसे-दलित, आदिवासी, महिला, अल्पसंख्यक वर्ग तथा विकलांगों के शुद्व पेयजल, स्वच्छता व साफ सफाई के अधिकार के लिए राज्य स्तरीय अभियान संचालित कर रहा है।

प्रमुख बिंदुः

- ❖ शुद्व पेयजल, स्वच्छता व साफ सफाई का अधिकार अभियान के अंतर्गत तीन जिलों क्रमशः श्योपुर, उमरिया तथा गुना के 6 ब्लाक के 60 पंचायत में शोध व दस्तावेजीकरण, जनजागरण व संगठन निर्माण, योजनाओं का बदलाव, जनपैरवी तथा क्षमता विकास के माध्यम से काम किया जा रहा है।

- ❖ अभियान के प्रारंभ में तीन जिलों में शुद्व पेयजल व स्वच्छता को लेकर व्यापक तरीके से शोध कार्य किया गया। शोध में यह तथ्य उभरकर सामने आया कि सरकार के द्वारा प्रदर्शित किये गये आकंड़ो तथा जमीनी वास्तविकता में बहुत अंतर है क्योंकि हितग्राहियों की संख्या में अधिक संख्या में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। ग्रामीण इलाकों में लगभग 60 प्रतिशत आबादी खुले में शौच करती है तथा स्कूलों में शौचालय का उपयोग नहीं होने के कारण बच्चों में स्कूल छोड़ने की प्रवृति बढ़ती है। सरकार के सहयोग निर्मित किये गये अधिकाशं शौचालय में तकनीक मानक की अवहेलना की गयी है।

- ❖ इस अभियान में 3 जिले, 6 ब्लाक, 60 पंचायत, 152 गावं के 28438 परिवार (14123 गरीबी रेखा के नीचे तथा 14315 गरीबी रेखा के उपर के परिवार) शामिल हैं। इन परिवारों में 10057 परिवारों के यहां शौचालय हैं अर्थात 18381 परिवार शौचालय विहीन हैं।

- ❖ अभियान के अंतर्गत प्राथमिक तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में बालक-बालिकाओं के बीच स्वच्छता व साफ-सफाई के व्यवहार परिवर्तन के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, चर्चा-परिचर्चा, स्वच्छता पाठ की कक्षा और स्कूल रैली आयोजित किये गये हैं।

- ❖ 60 पंचायतों में जलमित्र संगठन का निर्माण किया गया है। इस संगठन में लगभग 400 सदस्य हैं।

- ❖ अभियान के अंतर्गत 1708 नये शौचालयों का निर्माण कार्य कराया गया और 60 पंचायतों में शौचालय निर्माण तथा हेण्डपंप मरम्मत के लिए प्रस्ताव पारित कराये गये।

- ❖ श्योपुर, उमरिया और गुना में आयोजित जनसुनवाई के दौरान क्रमशः 304, 374 तथा 246 आवेदन शौचालय निर्माण, शुद्ध पेयजल और ग्रामीण सफाई के लिए प्रस्तुत किये गये। इस जनसुनवाई में जिला कलेक्टर, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष और सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के जिला व जनपद समन्वयक उपस्थित हुए।
- ❖ इस अभियान में कल्पतरू विकास सेवा समिति, गुना और मध्यप्रदेश समाज संस्था, उमरिया सहयोगी संस्था हैं।

- **अंचल के बच्चों के शारीरिक, मानसिक, एवं बोद्धिक विकास के साथ साथ मनोवेज्ञानिक ढंग से शिक्षा का केन्द्र - बाल मंदिर जौरा**

ऐतिहासिक दस्यु आत्मसर्मपण के तत्काल बाद परम श्रद्धेय भाई जी के मार्गदर्शन में सन् 1972 में इस विद्यालय की स्थापना निरक्षरता को मिटाने व शिक्षा के प्रसार हेतु की गई थी। आरंभ में यह शिशु वर्ग के रूप में मात्र 6 बच्चों से प्रारम्भ हुआ, जो प्रगति करता हुआ शिशु वर्ग से हाई स्कूल तक संचालित है। विद्यालय का संचालन छात्रों से प्राप्त सहयोग राशि के माध्यम से ही किया जा रहा है।

शिक्षक- शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन, पालकों के सहयोग व छात्रों के कठिन परिश्रम के

परिणामस्वरूप हाई स्कूल परीक्षा का परिणाम नगर की अन्य संस्थाओं से सराहनीय रहा है। विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व विभिन्न स्तर पर आयोजित प्रतिस्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। शासन की ओर से विद्यालय को किसी प्रकार

का अनुदान या सहायता प्राप्त नही हो रहा है। इस सब के बाबजूद विद्यालय में बालकों के शैक्षणिक विकास के साथ साथ मानसिक एवं शारीरिक विकास हेतु कार्यक्रम समय समय पर आयोजित किये जाते है।

- **आदिबासी बालिकाओं में शिक्षा व संस्कार के लिये विशेष आदिवासी आवासीय कन्या आश्रम**

  - ❖ कस्तूरबा गांधी आवासीय कन्या आश्रम, श्योपुर
  - ❖ विशेष आदिवासी आवासीय कन्या आश्रम, जौरा, जिला मुरैना

वर्ष 2012 - 13 में संस्था व्दारा मुरैना व श्योपुर जिले के दूर दराज अंचल में बसे गरीब आदिवासियों की बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रशित करने के लिये महात्मा गॉधी

सेवा आश्रम, जौरा व्दारा राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल से पहल कर मुरैना व ृयोपुर जिले में निवासरत आदिवासी समुदाय की सहरिया जाति की 100-100 बालिकाओं को शिक्षित करने के लिये विशे-ा आदिवासी कन्या छात्रा के नाम संचालित करने की स्वीकृति संस्था को राज्य शिक्षा केन्द्र के आयुक्त ने दी। महात्मा गॉधी सेवा आश्रम व्दारा उक्त कार्य को 1 अप्रैल 2008 से ही प्रारंभ कर दिया मुरैना जिला व श्र्योपुर जिला, की बालिकाओं को छात्रावास में रखने का सर्वे किया गया जिन बालिकाओं को छात्रावास में रखने का चयन किया उनकी उम्र करीबन 9 व-ा से लेकर 14 व-ा के बीच थी

> चयन करते समय यह विशेष ध्यान दिया गया कि अधिकांश बालिकांये वे हैं जिनके या तो मॉ अथवा बाप नहीं हैं। जिन्हें हमेशा मजदूरी, परिवार के साथ मजदूरी पर हाथ बंटाती हैं अथवा अपने से छोटे बच्चों की देखभाल करती हैं जब परिवार के लोग मजदूरी कार्य करते हैं।अधिकांश बालिकायें जो शिक्षा से बंचित है जो कभी पढ़ने स्कूल नहीं जाती।

- श्योपुर व मुरैना के जौरा छात्राबास में अंचल के एूर दराज की 100-100 आदिवासी बालिकाओं को प्रथम दृष्टया पढ़ाई हेतु चयन किया गया है।
- बालिकायें प्रातः जागरण से लेकर शाम सोने तक अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करती हैं।
- स्कूली शिक्षा के लिये बालिकायें गॉधीआश्रम छात्रावास जौरा व श्योपुर में रहकर विघालय में नियमित रूप से पढ़ने जाती हैं, तदुपरान्त आश्रम में अंशकालिक शिक्षिकाओं द्वारा पुनः प्रति दिन स्कूल में पढ़ाया गया पाठ्यक्रम को दोहराया जाता है।
- बालिकायें शिक्षा के साथ साथ सिलाई एवं कम्प्यूटर शिक्षा भी ग्रहण कर रही हैं, जो कि भविष्य में रोजगार से जुड़कर इन्हें स्वावलम्बी बनायेंगी।
- इसके अतिरिक्त, व्यावहारिक शिक्षा का पाठ भी नियमित रुप से आश्रम अधीक्षिका एवं सह अधीक्षिका द्वारा दिया जाता है। व्यावहारिक ज्ञान में ये भोली-भाली

आदिवासी बालिकायें अपने जिले का नाम, तहसील, ब्लॉक का नाम ,व सामाजिक व सांस्कृतिक ज्ञान रखती हैं। इसके अलावा ये बालिकायें प्रदेश के नाम तक जानने लगी हैं, इस ज्ञान को और विकसित करने के लिये बालिकाओं को बाल फिल्म, मेला भ्रमण, घड़ियाल अभ्यारण्य आदि का भ्रमण कराकर ज्ञान विकसित किया गया है।

- इन आदिवासी बालिकायें अधिकांश में लोक कला का प्रदर्शन की भावना जागी है। जो उनके स्वभाव के अनोखी है। क्योंकि ये अति शर्मीली स्वभाव की मानी जाती हैं। जो सार्वजनिक मंच पर नृत्य एंव लोकगीतों के माध्यम में लोंगो के मन को लुभाने में सराहनीय कार्य किया है।

ज्ञानेश्वर बा. पाटील
आई.ए.एस.
कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी

Tel : (07530) 220058 (Off.) 220059 (Res.)
220015 (fax) E-mail : dmsheopur@m.p.nic.in
अर्द्धशासकीय पत्र क्र. 5623
श्योपुर (म.प्र.)

दिनांक 17.01.13

विषय– कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास कराहल के संचालन हेतु स्वंयसेवी संस्था महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा को अधिकृत करने विषयक ।

आदरणीय मैडम,

विषयांकित संबध में अनुरोध है कि कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास कराहल की अधीक्षिका को अनियमितता एवं आडिट आपत्तियों के परिप्रेक्ष्य में अधीक्षिका पद से हटाया जाकर अन्य को प्रभार सौंपा गया है । किन्तु प्रभार के संबध में उत्पन्न विवादों के कारण छात्रावास का संचालन प्रभावित हो रहा है ।

विषयांकित संबध में स्वयसेवी संस्था महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास (मॉडल-3) कराहल का संचालन उनको सौंपे जाने विषयक अनुरोध किया गया है । उल्लेखनीय होगा कि महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा श्योपुर विकास खण्ड में कस्तूरबा गॉधी बालिका छात्रावास सह विद्यालय (मॉडल 1) का सुव्यवस्थित एवं बेहतर संचालन किया जा रहा है। श्योपुर में स्थित कस्तूरबा गॉधी बालिका छात्रावास का जिले के विभिन्न अधिकारियो एवं पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया है, जिसमें बालिकाओं की उपस्थिति प्रायः 90 प्रतिशत से ऊपर रही है, जबकि शासन द्वारा संचालित अन्य छात्रावासों की इतनी अच्छी उपस्थिति नहीं है। मानव शक्ति की दृष्टि से भी उक्त स्वंय सेवी संस्था सशक्त है। गॉधी सेवा आश्रम संस्था जनसामान्य के बीच अत्यधिक लोकप्रिय संस्था है एवं सहरिया जनजाति के बीच कार्य करने वाली संस्था है। अतः उक्त संस्था द्वारा कराहल स्थित बालिका छात्रावास का संचालन भी बेहतर ढंग से किया जा सकता है।

अतः उक्त परिपेक्ष्य में कस्तूरबा गॉधी बालिका छात्रावास विकास खण्ड कराहल के संचालन का दायित्व महात्मा गॉधी सेवा आश्रम जौरा को सौंपे जाने के संबंध में उचित आदेश प्रदान करने का विनम्र अनुरोध है।

सादर

भवदीय

(ज्ञानेश्वर बी पाटील)

प्रति,

श्रीमती रश्मि अरुण शमी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल

1. मीडिया सेन्टर

''विकासीय संवाद के लिये मीडिया केन्द्र''

भूख मुक्त और भय मुक्त समाज की रचना के लिए जनपैरवी, दस्तावेजीकरण और जमीनी स्तर पर संगठन निर्माण के लिए सहयोग के लिए ही विकासीय संवाद केन्द्र का निर्माण करने का विचार किया गया। संवाद और संचार की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विकासीय संवाद के लिए मीडिया का गठन किया गया। विकासीय संवाद के लिए मीडिया केन्द्र महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा की एक मीडिया शाखा है।

संस्था और इसके सहयोगी संस्थाओं की दो सीमायें है पहला दस्तावेजीकरण और दूसरा उसका प्रसारण है यक केन्द्र उन समुदायों खासकर दलित, आदिवासी और महिलाओं जिनकी आवाज को सुना नही गया है उनके लिए समर्पित है। विकासीय संवाद और संचार माध्यमों का दिनों दिन बढ़ता जा रहा महत्व ओर स्थान तथा वर्तमान उनके प्रभावी भूमिका को आम जन मानस को अत्याचार, अन्याय व शोषण के विरूद्ध संगठित करने के लिए इस केन्द्र की महती आवश्यकता है। यह केन्द्र आम जन मानस के मुददों से जुड़े विभिन्न पहलुओं ओर उसके समाधान के विकल्पों के बीच खाई को पाटने के लिए काम कर रहा है।

मुख्य कार्यक्रम

वीडियो एवं फोटो दस्तावेजीकरण

वर्ष 2012 में जन संवाद यात्रा व जन सत्याग्रह 2012 का फोटो एवं विडियों दस्तावेजीकरण किया। ग्वालियर से आगरा तक होर्डिंगस, पोस्टर, बेनर एवं पंच सज्जा का कार्य किया गया। लहरौनी जिला श्योपुर मध्य प्रदेश में आदिवासियों की जमीन के सीमांकन की प्रक्रिया का फोटो एवं विडियो दस्तावेजीकरण किया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में जनसत्याग्रह 2012 की तैयारियों जैसे-शिविरनायक प्रशिक्षण, दस्तानायक प्रशिक्षण, युवा शिविरों का फोटो दस्तावेजीकरण किया।

फिल्म निर्माण

जनसत्याग्रह 2012 की तैयारियों को देखते हुए दिल्ली के विश्व युवा केन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय बैठक का आयोजन किया जिसमें एकता परिषद के ऊपर अलग-अलग देशों के द्वारा बनायी गई पांच फिल्मों के सेट का निर्माण किया।

फोटो प्रदर्शनी एवं फिल्म प्रदर्शन

वर्ष 2012 में फोटो प्रदर्शनी एवं फिल्म प्रदर्शन का कार्य कई जगहो पर किया जिसमें मुख्यतः जनवरी माह अंतर्राष्ट्रीय बैठक भोपाल एवं अंतर्राष्ट्रीय बैठक विश्व युवा केन्द्र दिल्ली में प्रदर्शनी आयोजित की गई इसी तरह फिल्म प्रदर्शन का कार्य ग्रामीण पंचायतों, कार्यशालाओं, बैठको एवं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनो में किया गया।

कार्यक्रम सूची

वंचित समुदाय के गरिमापूर्ण जीवन निर्वाह के लिए उनके भूमि अधिकार को सुरक्षित करने और संस्थागत करने के उद्देश्य से परियोजना क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की गतिविधियॉं की गई जिनकी जानकारी इस प्रकार है :-

PACS PROGRAMME 2012-13

SL	Programme Name	Date	Place	No. Of Participant
(I)	**Conducting Joint Workshop**			
1	Conducting Joint Workshop	21.04.2012	Malthon, Sagar M.P.	197
2	Conducting Joint Workshop	23.04.2012	Biana M.P.	139
3	Conducting Joint Workshop	26.06.2012	KuKshi, Dhar M.P.	94
4	Conducting Joint Workshop	18.07.2012	Vyasi, Khurai M.P.	108
5	Conducting Joint Workshop	19.07.2012	Pathariya, Bina M.P.	144
6	Conducting Joint Workshop	07.12.2012	Pathariya, Bina M.P.	176
7	Conducting Joint Workshop	22.12.2012	Malthon, Sagar M.P.	183
	Sub-Total			1041
(II)	**Establishing Link With Minded Social Organization**			
1	EST. Llink With Minded Socile Organization	09-10.05.2012	Sheopur M.P.	57
2	EST. Llink With Minded Socile Organization	05-06.06.2012	Sagar M.P.	48
3	EST. Llink With Minded Socile Organization	27-29.12.2012	Karahal, Sheopur M.P.	60
4	EST. Llink With Minded Socile Organization	30-31.01.2013	Jhabua, M.P.	66
	Sub-Total			231
(III)	**Organizion of Foot March**			
1	Organizion of Foot March	22-27.05.2012	Salabarru to Silwani M.P.	55
2	Organizion of Foot March	12-17.06.2012	Palasadi to Rama	55

3	Organizion of Foot March	06-11.07.2012	Khirkhiri to Karahal	52
4	Organizion of Foot March	12-12.07.2012	Khirkhiri to Sheopur	56
5	Organizion of Foot March	11-13.09.2012	Palasadi to Para M.P.	60
6	Organizion of Foot March	11-13.09.2012	Patariya to Bina M.P.	64
7	Organizion of Foot March	11-13.2012	Gandhela to Shilwani	70
8	Organizion of Foot March	22-29.09.2012	Sheopur to Sheopur M.P.	101
	Sub-Total			513
(IV)	**Ogranizing Leadership Camps**			-
1	Organizing Leadership Camps	17-19.04.2012	Shilwani M.P.	104
2	Organizing Leadership Camps	26-28.06.2012	Sheopur M.P.	133
3	Organizing Leadership Camps	11-13.09.2012	Sheopur,Sagar, Raisen, Jhabua	135
4	Organizing Leadership Camps	29-31.2012	Pithoriya, Maalthon M.P.	169
	Sub-Total			541
(V)	**Organiziong People's Consultation**			-
1	Organiziong People's Consultation	15.05.2012	Khurai M.P.	105
2	Organizion People's Consultation	17.05.2012	Silwani M.P.	113
3	Organizion People's Consultation		Sheopur P.M.	118
4	Organizion People's Consultation	22-25.05.2012	Kukshi, Dhar M.P.	115
	Sub-Total			451
(VI)	**Organizing Public Hearing**			-
1	Organizing Public Hearing	01.06.2012	Khurai M.P.	488
2	Organizing Public Hearing	14.06.2012	Rama	439
3	Organizing Public Hearing	09.09.2012	Silwani	100
4	Organizing Public Hearing	15.09.2012	Khurai M.P.	119
5	Organizing Public Hearing	08.09.2012	Karahal, Sheopur M.P.	160
6	Organizing Public Hearing	08.09.2012	Para, Bakhatpur M.P.	100
7	Organizing Public Hearing	15.12.2012	Rampura Saharana, Vijaypur M.P.	317
8	Organizing Public Hearing	23.01.2013	Gada, Khurai M.P.	124
	Sub-Total			1847
(VII)	**Organizing State Leavel Consultation**			-

1	Organizing State Leavel Consultation	18.09.2012	Gwalior M.P.	159
	Sub-Total			159
(VIII)	**Conducting A Survey On The Status Of Land Rights**			
1	Conducting A Survey On The Status Of Land Rights	19-20.11.2012	Resource Center, Gwalior M.P.	12
	Sub-Total			12
	Total			4795

DCA PROGRAMME 2012-13

SL	Programme Name	Date	Place	No. Of Participant
(I)	**Action Alliance Meeting**			
1	Action Alliance Meeting	16.07.2012	Kishan Bhavan, Jaipur R.J.	237
2	Action Alliance Meeting	13.12.2012	Shahwad, Bara R.J.	73
3	Action Alliance Meeting	28.12.2012	Relawan, Bara R.J.	378
4	Action Alliance Meeting	19.12.2012	Sandhari, Bara R.J.	79
	Sub-Total			**767**
(II)	**Public Hearing**			
1	Public Hearing	09.07.2012	Kishanganj Bara R.J.	675
2	Public Hearing	10.07.2012	Shahbad, Bara R.J.	1250
3	Public Hearing (Workers meet)	30-31.07.2012	Shahbad, Bara R.J.	13
4	Public Hearing (Workers meet)	30-31.08.2012	Shahbad, Bara R.J.	9
5	Public Hearing	17.09.2012	Sitabadi Shahbad R.J.	93
6	Public Hearing	19.09.2012	Moyada Kishanganj R.J.	144
7	Public Hearing	10.12.2012	Shahbad, Bara R.J.	284
8	Public Hearing	12.12.2012	Bhabhuka, Bara R.J.	480
9	Public Hearing	20.12.2012	Bichi, Bara R.J.	70
10	Public Hearing	27.12.2012	Gordhanpura, Bara R.J.	329
	Sub-Total			**3347**
(III)	**Peoples Consultation on Land & Food Security**			
1	Peoples Consultation on Land & Food Security	10.07.2012	Shahbad, Bara R.J.	580
2	Peoples Consultation on Land & Food Security	11.09.2012	Sukar, Sabaimadhopu R.J.	43

3	Peoples Consultation on Land & Food Security	13.09.2012	Shahbad, Bara R.J.	60
4	Peoples Consultation on Land & Food Security	14.09.2012	Kishanganj Bara R.J.	160
5	Peoples Consultation on Land & Food Security	15.09.2012	Khatoli, Kota R.J.	50
6	Peoples Consultation on Land & Food Security	14.12.2012	Hirapur, Bara R.J.	65
7	Peoples Consultation on Land & Food Security	18.12.2012	Harinagar, Bara R.J.	105
8	Peoples Consultation on Land & Food Security	21.22.01.2013	Resource Center, Gwalior M.P.	36
	Sub-Total			**1099**
	Total			**5213**

EED PROGRAMME 2012-13

S. No.	Programme Name	Date	Place	No. Of Participant
(I)	**Monitoring & Evaluation**			
1	Monitoring & Evaluation	15-18.12.2012	Resource Center, Gwalior	9
	Sub-Total			**9**
(II)	**Assembly of Deprived**			
1	Assembly of Deprived	09.05.2012	Fatehgarh Guna M.P.	
2	Assembly of Deprived	09.06.2012	Guna M.P.	245
3	Assembly of Deprived	17.09.2012	Mungawali M.P.	605
4	Assembly of Deprived	20.09.2012	Sakrar, Jhansi U.P.	190
5	Assembly of Deprived	22.09.2012	Bishanbada, Guna M.P.	219
	Sub-Total			**1259**
(II)	**Advocacy Camp**			
1	Advocacy Camp	06-07.07.2012	Joura, Morena M.P.	

	Sub-Total			**0**
(IV)	**Public Hearing**			
1	Public Hearing	08.06.2012	Mungawali M.P.	220
2	Public Hearing	05.09.2012	Fatehgarh Guna M.P.	242
3	Public Hearing	08.09.2012	Mungawali M.P.	484
4	Public Hearing	10.12.2012	Jhansi U.P.	215
	Sub-Total			**1161**
(V)	**Foot March**			
1	Foot March	02-07.09.2012	Ganeshpura to Mungawali M.P.	385
2	Foot March	08-17.09.2012	Bamori to Guna M.P.	260
3	Foot March	13-17.09.2012	Bangra to Jhansi U.P.	283
	Sub-Total			**928**
	Total			**3357**

GVP PROGRAMME 2012-13

S. No.	Programme Name	Date	Place	No. Of Participant
(I)	**People Consultation**			
1	People Consultation	31.05.2012	Ganjbasoda, Vidisa M.P.	
2	People Consultation	07.06.2012	Kishanpur Shivpuri M.P.	251
	Sub-Total			251
(II)	**Public Hearing**			
1	Public Hearing	01-05.05.2012	Shivpuri	57
2	Public Hearing	06.06.2012	Dabra, Gwalior M.P.	785
	Sub-Total			842
	Total			**1093**

WASH PROGRAMME 2012-13

SL.	Programme Name	Date	Place	No. Of Participant
(I)	**Capacity Building Workshop**			
1	Capacity Building Workshop	23-24.08.2012	Bhopal M.P.	18
	Sub-Total			18
(II)	**Public Hearing With Community Leaders**			
1	Public Hearing With Community Leaders	29.12.2012	Sheopur M.P.	442
2	Public Hearing With Community Leaders	20.02.2013	Guna, M.P.	
	Sub-Total			442
(III)	**Mobilisation Of School Childrens**			
1	Mobilisation Of School Childrens	07.01.2013	Janpura, Sheopur M.P.	49
2	Mobilisation Of School Childrens	08.01.2013	Bagadua, Sheopur M.P.	22
3	Mobilisation Of School Childrens	11.01.2013	Sesaipura, Sheopur M.P.	41
4	Mobilisation Of School Childrens	18.01.2013	Goverdha, Sheopur M.P.	36
5	Mobilisation Of School Childrens	21.01.2013	Bhotupura, Sheopur M.P.	38
6	Mobilisation Of School Childrens	22.01.2013	Raipura, Sheopur M.P.	22
7	Mobilisation Of School Childrens	22.01.2013	Kaanapura, Sheopur M.P.	30
8	Mobilisation Of School Childrens	22.01.2013	Patonda, Sheopur M.P.	100
9	Mobilisation Of School Childrens	23.01.2013	Raipura Sheopur M.P.	51
10	Mobilisation Of School Childrens	23.01.2013	Gothra, Sheopur M.P.	75
11	Mobilisation Of School Childrens	23.01.2013	Ajapura, Sheopur M.P.	39
12	Mobilisation Of School Childrens	24.01.2013	Goverdha, Sheopur M.P.	25
13	Mobilisation Of School Childrens	04.02.2013	Gadla, Sheopur M.P.	21
14	Mobilisation Of School Childrens	07.02.2013	Galmanya, Sheopur M.P.	29
15	Mobilisation Of School Childrens	08.02.2013	Firojpura, Sheopur M.P.	39
16	Mobilisation Of School Childrens	08.02.2013	Firojpura, Sheopur M.P.	47
17	Mobilisation Of School Childrens	09.02.2013	Ajapura, Sheopur M.P.	20
18	Mobilisation Of School Childrens	11.02.2013	Alapura, Sheopur M.P.	39

19	Mobilisation Of School Childrens	12.02.2013	Dantarda, Sheopur M.P.	99
20	Mobilisation Of School Childrens	14.02.2013	Janpura, Sheopur M.P.	27
21	Mobilisation Of School Childrens	15.02.2013	Bhikhapur, Sheopur M.P.	165
22	Mobilisation Of School Childrens	16.02.2013	Kanapur, Sheopur M.P.	39
23	Mobilisation Of School Childrens	16.02.2013	Nandapur-Jwalapur, Sheopur. M.P.	144
24	Mobilisation Of School Childrens	19.02.2013	Talavda, Sheopur M.P.	112
25	Mobilisation Of School Childrens	20.02.2013	Unchakheda, Sheopur M.P.	66
26	Mobilisation Of School Childrens	21.02.2013	Gurunavda, Sheopur M.P.	107
27	Mobilisation Of School Childrens	22.02.2013	Dantarda, Sheopur M.P.	89
	Sub-Total			1571

(IV) **Panchayat Level Dialogue**

1	Panchayat Level Dialogue	12.10.2012	Sesaipura, Sheopur M.P.	45
2	Panchayat Level Dialogue	23.10.2012	Bamori, Sheopur M.P.	33
3	Panchayat Level Dialogue	03.11.2012	Gadla, Sheopur M.P.	47
4	Panchayat Level Dialogue	20.11.2012	Semra, Sheopur M.P.	51
5	Panchayat Level Dialogue	21.11.2012	Kariyadeh, Sheopur M.P.	42
6	Panchayat Level Dialogue	22.11.2012	Khori, Sheopur M.P.	32
7	Panchayat Level Dialogue	24.11.2012	Chakrampur, Sheopur M.P.	38
8	Panchayat Level Dialogue	05.12.2012	Kacharmooli, Sheopur M.P.	35
9	Panchayat Level Dialogue	06.12.2012	Gothara, Sheopur M.P.	73
10	Panchayat Level Dialogue	08.12.2012	Chitara, Sheopur M.P.	46
11	Panchayat Level Dialogue	08.12.2012	Bhikapur, Sheopur M.P.	40
12	Panchayat Level Dialogue	13.12.2012	Unchakhedan, Sheopur M.P.	43
13	Panchayat Level Dialogue	23.12.2012	Raipura, Sheopur M.P.	36
14	Panchayat Level Dialogue	09.01.2013	Filojpura, Sheopur M.P.	52
15	Panchayat Level Dialogue	10.02.2013	Alapura, Sheopur M.P.	61
16	Panchayat Level Dialogue	11.02.2013	Dantarda, Sheopur M.P.	39
17	Panchayat Level Dialogue	12.02.2013	Ajpura, Sheopur M.P.	56

18	Panchayat Level Dialogue	15.02.2013	Janpura, Sheopur M.P.	57
19	Panchayat Level Dialogue	18.02.2013	Kanapur, Sheopur M.P.	50
20	Panchayat Level Dialogue	18.02.2013	Gurunavda, Sheopur M.P.	34
21	Panchayat Level Dialogue	20.02.2013	Galmanya, Sheopur M.P.	52
22	Panchayat Level Dialogue	27.02.2013	Gilas, Sheopur M.P.	86
	Sub-Total			1048
	Total			**3079**